



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

121]

. 121]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 2, 1980/आषाढ़ 11, 1902

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 2, 1980/ASADHA 6, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

द्वि-दैनिक सूचना सं० 1—पी० आर०—एम० पी०/80

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1980

सं० 36(47)/80—पी० आर०—एम० पी०—1980-81 की आयतन
के परिशिष्ट 9 के अनुच्छेद 7 के अनुसार भारत सरकार, सूचना
मंत्रालय में समाचार-पत्रों/पत्रिकाओं के लिए हकदारी का आधार
संबन्धित अन्य विधियाँ एतद्द्वारा अधिसूचित करना है
आधार इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक 1 से 6 में अन्त-
लिखित है तथा यह 1 अप्रैल, 1980 से 31 मार्च, 1981 तक

एम० एल० कपूर, सशुद्ध सचिव

परिशिष्ट 1

वर्ष 1980-81 के लिए प्रचलित कागज की आवंटन निति

1. हकदारी

1.1 समाचार-पत्र/पत्रिकाओं के प्रचलित कागज की वर्ष
1980-81 के लिए मूल हकदारी उनके द्वारा वर्ष 1979 में प्रच-
लित कागज एवं संकेत कागज या दोनों की, वास्तविक खपत के आधार
पर (प्रसिद्ध परिचालन संख्या, प्रसिद्ध पृष्ठ संख्या, वास्तविक प्रकाशित
पृष्ठ आकार तथा प्रकाशन दिवसों को ध्यान में रखते हुए) निर्धारित की
जायेगी।

1.2 समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं के आवंटन पर निम्न-
लिखित रूप से आरम्भिक वृद्धि दी जाएगी —

1. समाचार-पत्र एवं पत्रिकाओं के आवंटन पर वर्ष 1978 से 1979 में परिचालन
कागज जिनकी परिचालन सं० प्रति की हुई प्रतिशत वृद्धि के बराबर

364 GI/80—1

प्रकाशन दिवस 50,000 से अधिक
की।

की वृद्धि दी जाएगी परन्तु वह मूल
हक से 5 प्रतिशत अधिक नहीं होगी

2. समाचार पत्र/पत्रिकाओं के लिए मूल हक पर 10 प्रतिशत
जिनकी परिचालन सं० 15,000
तक से 50,000 तक की।

3. समाचार पत्र/पत्रिकाओं के लिए मूल हक पर 15 प्रतिशत
जिनकी परिचालन संख्या 15,000
तक है।

टिप्पणी—समाचार पत्र/पत्रिकाओं की परिचालन श्रेणी जैसा
कि ऊपर पैरा 1.2 में उल्लिखित है, वर्ष 1979 में प्रति प्रकाशन दिवस
की औसत परिचालन संख्या पर आधारित होगी।

1.3 आरम्भिक हकदारी के लिए आवंटन पत्र 31 जुलाई 1980
के बाद इन लोगों से नहीं लिया जाएगा जिनको वर्ष 1979-80 में
प्रचलित कागज का कोटा मिल चुका है।

1.4 आवंटन करने पर समाचार पत्रों/पत्रिकाओं को वर्ष
1980 के प्रथम छ महीनों में हुई उनकी परिचालन संख्या की वास्तविक
वृद्धि एवं 1979 में हुई वृद्धि की तुलना के आधार पर ही अतिरिक्त
कोटा दिया जायेगा किन्तु ऐसे आवंटन पत्र, प्रचलित कागज की मात्रा
का ध्यान में रखते हुए, 30 सितम्बर 1980 से पहले ही लिये जाएंगे।

1.5 प्रचलित कागज की हकदारी में संशोधन या विचलन उक्त
अनुच्छेद 1.1, 1.2, तथा 1.4 के अनुसार हो सकता है किन्तु ऐसा करते
हुए कुछ अन्य तथ्यों पर भी ध्यान दिया जायेगा जैसे—

प्रचलित कागज की उपलब्ध बकर स्टॉक की तथा सामान्य प्रत्याशित
आपूर्ति की दशा में उचित मात्रा बनाए रखना इत्यादि। सामान्य किस्म
की प्रत्याशित कटौती आपूर्ति, उत्पादन, स्टॉक की कमी की दशा में लगाई
जा सकती है।

1.6 भारत सरकार के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार किसी भी समाचार पत्र/आवधिक पत्रिका में लाइसेंसिंग वर्ष के किसी भी अवधि का, 3 मास या इससे अधिक समय की खपत का व्योग माग सकते हैं तथा वह उनकी खपत के अनुसार उन पत्रों की हकदारी का कम कर सकते हैं यदि वह हकदारी उक्त पैरा 1.1, 1.2 तथा 1.4 में लिखित कोटि से अधिक पाई जाती है।

1.7 अनुच्छेद 1.1 एवं 1.2 के अनुसार आरम्भिक हकदारी देने तथा अनुच्छेद 1.4, 1.5 तथा 1.6 के अनुसार हकदारी में संशोधन करते समय भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार प्रत्येक मामले में जैसा वह उचित समझे, किन्हीं परिस्थितियों में जैसे—हड़ताल/तालाबन्दी या किन्हीं अन्य कारणों की वजह से परिचालन की अप्पावधि के लिए समाप्ति या समस्पर्धा वाले समाचार पत्र के समापन या प्रकटन की वजह से परिचालन में बढौतरी को छाड़ सकते हैं और ऐसी स्थिति में सामान्य परिचालन को स्वीकार किया जाएगा।

2.1 नए दैनिक, साप्ताहिक त्रि-साप्ताहिक, द्वि-साप्ताहिक, पक्षिक एवं मासिक

प्रकाशक द्वारा दिए गए परिचालन विवरण की जांच के पूर्ण सन्तुष्टि के बाद नए समाचार पत्रों/आवधिक पत्रों का भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा चार महीने का आरम्भिक कोटा दिया जाएगा लेकिन उनके द्वारा प्रदत्त विवरण पर सगणित हकदारी दैनिक के मामले में 8 पृष्ठों की 10,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन विवस के प्रसार तथा साप्ताहिक, त्रि-साप्ताहिक, द्वि-साप्ताहिक, पक्षिक एवं मासिक पत्रों के मामले में 16 पृष्ठों की 10,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन विवस की प्रसार संख्या पर बनाई गई हकदारी से ज्यादा नहीं होगा। आवेदक को आरम्भिक कोटे के आवेदन के साथ परिशिष्ट-3 एवं किसी पत्र/कुल बैंक की गारंटी देनी होगी जिसकी कीमत कुल वांछित अखबारी कागज के मूल्य का 10 प्रतिशत होगी। ऐसे बांडों का रद्द कर दिया जाएगा जिससे भारत के समाचारपत्रों के रजिस्ट्रार का सम्यक प्रमाण से सन्तुष्टि हो जाए कि वह अखबारी कागज समाचारपत्रों/आवधिक पत्र के प्रकाशन के लिए प्रयोग किया गया है। तीन महीने के लगातार प्रकाशन के बाद नए समाचार पत्र/आवधिक पत्र को भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार को औसत परिचालन संख्या, पृष्ठ आकार, पृष्ठ संख्या तथा कुल प्रशामन दिवसों की संख्या का प्रमाण देना होगा तथा इन तीन महीनों के विवरण पर आगे उचित समय तक के लिए पुनः उनकी हकदारी निर्धारित की जाएगी।

2.2 त्रि-साप्ताहिक, द्वि-साप्ताहिक साप्ताहिक, पक्षिक और मासिक पत्रिकाओं के अतिरिक्त अन्य नई आवधिक पत्रिकाएं

ऐसी नई आवधिक पत्रिकाओं के पहले तीन मास के लिए कोटा दिया जाएगा। ऐसी नई आवधिक पत्रिकाओं के प्रकाशन तीन मास के लगातार प्रकाशन के बाद किसी शसपत्रिख लेखाकार से पिछले तीन मास में मुद्रित औसत परिचालन 2000 प्रतियों से अधिक हो (पृष्ठ क्षेत्र और पृष्ठों की संख्या आवि का सम्यक प्रमाणपत्र लेकर कोटे के 10 प्रतिशत कर सकते हैं। इस श्रेणी से नई आवधिक पत्रिकाओं को, पिछले तीन महीनों में वास्तविक प्राम औसत परिचालन औसत पृष्ठों की संख्या, पृष्ठ क्षेत्र और प्रकाशन दिवसों की संख्या के आधार पर ही अखबारी कागज का कोटा दिया जाए।

2.3 वर्तमान समाचार पत्र/पत्रिका जिन्होंने वर्ष 1979-80 में अखबारी कागज का कोटा प्राप्त नहीं किया है उनको नया समाचार पत्र/पत्रिका माना जाएगा और उनको अखबारी कागज का आरम्भिक काटा, प्रार्थना पत्र प्राप्त कर की तारीख से पहले उक्त पैरा 2.1 और 2.2 के आधार पर ही दिया जाएगा, जैसा भी मामला होगा, और उन को भविष्य की हकदारी भी उक्त पैरा 2.1 और 2.2 के आधार पर ही दी जाएगी जैसा भी मामला होगा। ऐसे प्रार्थना पत्र परिशिष्ट 4 के साथ अन्तिम तारीख से पहले पहुंच जाने चाहिए।

3 निम्न श्रेणी की पत्रिकाएं, यद्यपि वे समाचार पत्र की श्रेणी में हैं, फिर भी वे अखबारी कागज के कोटे के लिए हकदार नहीं हैं परन्तु विशेष मामलों में छूट हो सकती है।

- (क) मुख्य रूप से वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री को प्रोत्साहन देने हेतु प्रकाशित पत्र
- (ख) गृह पत्र/व्यवसायिक कार्यालयों (अफसरटैकिंग)/कर्मों/आवधिक कार्यालयों द्वारा निकाली जाने वाली पत्रिका
- (ग) भाव सूचि-पत्र और लाटरी समाचार, समय सारणियां, पचाग इत्यादि
- (घ) गुप्त विवरण हेतु सभी प्रकाशन

- (ङ) उपर्युक्त
- (च) रेसिंग गार्ड
- (ज) स्कूल/कावज की पत्रिकाएं
- (झ) शैक्षिक पत्रिका/शैक्षिक गार्ड
- (ट) सरकारी पत्र जो कि वर्ष 1979-80 में कोटा नहीं ले रहे हैं
- (ठ) आवधिक पत्रिकाएं जो तीन महीने से ज्यादा के अंतर में प्रकाशित होती हैं जैसे—आर्द्ध वार्षिक, वार्षिक इत्यादि
- (ड) समाचार पत्र/आवधिक पत्रिकाएं जिनकी नियमितता एक वर्ष से 50 प्रतिशत से कम है।

4.1 ऐसे समाचार पत्रों/आवधिक पत्रों के मामले में जिनका कलेण्डर वर्ष 1978 अथवा पत्रों 1979 के दावा किए गए सरकुलेशन की अपेक्षा कम सरकुलेशन निर्धारित किया गया है। ऐसे समाचार पत्रों/आवधिक पत्रों की वर्ष 1980-81 की हकदारी निर्धारित सरकुलेशन और दावा किए गए पृष्ठों की संख्या, पृष्ठ क्षेत्र तथा प्रकाशन दिनों की संख्या के आधार पर निकाली जाएगी। यह समाचार पत्र/आवधिक पत्र पैरा 1.1 तथा 1.4 के अन्तर्गत लान पाने के योग्य नहीं होंगे जब तक कि उनके सरकुलेशन का पुनः निर्धारण न हो जाए।

4.2 उस समाचार पत्र/आवधिक पत्र के लिए कोटा मजूर नहीं किया जाएगा जो किसी भी समय कलने पर कुछ भी सरकुलेशन प्रमाणित करने में असमर्थ है। किसी प्रकार का जारी किया गया अखबारी कागज भी वापिस करना पड़ेगा।

5.1 समाचार पत्रों/आवधिक पत्रों के लिए मानक अखबारी कागज और स्वदेशी अखबारी कागज की हकदारी का हिस्सा 53 ग्राम पदार्थ पर 5 प्रतिशत बढ़ाकर या घटाकर लगाया जायेगा।

5.2 स्वदेशी अखबारी कागज के हक में 15% की बढौतरी की जाएगी।

5.3 अखबारी कागज का कोटा प्रत्येक समाचार-पत्र/आवधिक पत्रिका को दिया जाता है और वही इस कोटे का प्राप्कर्ता है। समाचार-पत्रों/आवधिक-पत्रों को दिए गए कोटे को आपस में बांटने की अनुमति नहीं दी जाएगी चाहे वे प्रकाशन एक ही प्रकाशक के हों, चाहे उनका शीर्षक/नाम एक ही हो और चाहे, शानकीय सुविधा के लिए एस०टी०सी० या अन्य स्थानीय माधन के द्वारा अखबारी कागज उठाने के लिए उनके आपसी सापेक्षी की मजरी ही क्यों न हो गई हो।

5.4 यद्यपि इस नीति के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकृत अखबारी कागज का कोटा उम्मी समाचार-पत्र/आवधिक-पत्र के नए संस्करण के लिए प्रयोग किया जा सकता है परन्तु इस प्रकार से प्रयुक्त अखबारी कागज का हिस्सा अलग से लिया जाएगा। फिर भी समाचार-पत्रों/आवधिक पत्रिकाओं के प्रकाशक ऐसा नया संस्करण शुरू करने के कम से कम एक महीने पहले परिशिष्ट V द्वारा अनुमानित प्रचालन, पृष्ठों की औसत सं० आदि और मुख्य प्रकाशन के कोटे की लगभग कमी के बारे में, भारत के समाचारपत्रों के रजिस्ट्रार को सूचित करें। मूल समाचार-पत्र का आवेदन इसके अनुसार किया जाएगा यह आवेदन नये संस्करण

के तीन महीने के प्रकाशन के बाद उसके परिचालन की वार्षिक विभिन्नता के अनुसार पुनः निर्धारित किया जायेगा।

टिप्पणी—उक्त उद्देश्य के लिए संस्करण का अर्थ है समाचार-पत्र/आवधिक-पत्र जिसके लिए प्रकाशन का स्थान कोई भी हो, सम नाम/शीर्षक हो, सम भाषा हो और अवधि भी वही हो जो कि उसी प्रकाशक/प्रकाशक के मुख्य समाचार-पत्र/आवधिक-पत्र का है और उसका समय परिवर्तन के साथ वर्तमान एवं स्थानीय पाठकों की मांग को पूरा करने हेतु और अधिक वितरण हेतु, कुछ परिवर्तनों सहित पुनः प्रकाशन/मिश्र प्रकाशन हो।

6. आबंटन

6.1 समाचार-पत्रों की सभी श्रेणियों, स्टैंडर्ड, रोटो तथा ग्लेज्ड का आबंटन केवल रीलों में किया जाएगा। जो समाचार-पत्र रीलों को काटकर शीटों में बदलने हैं उनकी रीलों को शीटों में बदलने के लिए 10% की दर से अनिवार्य मात्रा दी जाएगी। यह लाभ केवल उन समाचार-पत्रों को मिलेगा जो इस बात का प्रमाण देंगे कि छपाई केवल शीटों में हुई है।

6.2 जो नियतकालिक पत्र तीन महीने से अधिक अस्तित्व में हैं उनकी पूरी हकदारी का दावा या उसका एक हिस्सा ग्लेज्ड या स्टैंडर्ड आबंटन आबंटन कागज में दिया जाएगा बशर्ते कि वह उपलब्ध हो।

6.3 देशी और आयातित अखबारी कागज के आबंटन का आधार निम्न प्रकार होगा—

- (i) (क) 400 मीट्रिक टन तक की हकदारी वाले समाचार-पत्रों को अपनी जरूरत का अखबारी कागज किसी भी अनुपात में स्वदेशी आयात दोनों से हाई सी सेल्स तथा बफर में लेने का विकल्प होगा।
- (ii) 400 मीट्रिक टन से अधिक हकदारी वाले समाचार-पत्रों को उनकी हकदारी का 15 प्रतिशत स्वदेशी लेना अनिवार्य होगा। इस प्रकार के समाचार-पत्र कम से कम 10 प्रतिशत और अधिक से अधिक 15 प्रतिशत कागजी व्यापार निगम के बफर स्टॉक में लेना अनिवार्य होगा।
- (iii) अगर राज्य व्यापार निगम द्वारा ग्ल/सी की प्राप्ति के 120 दिन के भीतर लदान नहीं किया जाता तो हाई सी सेल्स आधार पर आने वाले बफर स्टॉक लदान से अनुपातिक मात्रा में आबंटन करने का प्रयत्न किया जाएगा बशर्ते कि उपयुक्त मात्रा हाई सी से उपलब्ध हो।

6.4 भारत के समाचार-पत्रों का रजिस्ट्रार विदेशी व स्वदेशी अखबारी कागज का अनुपात समय-समय पर उपलब्ध/स्टॉक के अनुसार घटा-बढ़ा सकता है। समाचार-पत्र/आवधिक-पत्रों को स्वदेशी कागज उसी माप का लेना होगा जिस माप का वह उपलब्ध होगा।

6.5 यदि कोई समाचार-पत्र/आवधिक-पत्र वर्ष 1979-80 में प्रदत्त मात्रा का प्रयोग नहीं करता है, जिसमें कि मध्याह्न चुनाव के दौरान प्रदान किया गया छोटा भी शामिल है, वह अप्रयुक्त कोटा 1980-81 के हक से घटाया जाएगा। इस तरह का हिस्सा उन समाचार-पत्रों/आवधिक-पत्रों के साथ भी किया जा सकता है जिनको उक्त पैरा 2.2, 2.3 और 2.4 में लिखित शर्तों के अनुसार अखबारी कागज का कोटा प्रदान किया गया।

6.6 जो समाचार-पत्र अवरोध हो जाते हैं या जिनका प्रकाशन बन्द हो जाता है उनकी अप्रयुक्त अखबारी कागज का कोटा वापिस करना होगा।

7. छीजन

7.1 बन्दरगाह शहरों में प्रकाशित होने वाले समाचार-पत्रों की जहाँ राज्य व्यापार निगम के गोदाम हैं, परिवहन और/या मशीन रूप

में छीजन के लिए आयातित कागज की क्षतिपूर्ति के लिए 8% उन राज्यों से जहाँ ये बन्दरगाह शहर स्थित हैं, प्रकाशित होने वाले समाचार-पत्रों के लिए 4% तथा अन्य राज्यों से प्रकाशित होने वाले समाचार-पत्रों को 10% कागज दिया जाएगा। स्वदेशी अखबारी कागज के मामले में 9% क्षतिपूर्ति एक समान होगी। बहुरंगीन छपाई का हस्तेमाल करने वाले आवधिक-पत्रों के 2% अधिक उम छपाई में छीजन की क्षतिपूर्ति के लिए दिया जाएगा।

8. विविध

8.1 आयातित अखबारी कागज का वितरण का कार्य पूर्णतया राज्य व्यापार निगम द्वारा किया जाएगा। भारत के समाचार-पत्रों के रजिस्ट्रार सभी समाचार-पत्र आवेदकों की पूरी हकदारी विधिवत् तय करके राज्य व्यापार निगम को देगा, जो आयातित अखबारी कागज हाई सी सेल्स या बफर से राज्य व्यापार निगम द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले अनुपात के अनुसार होगा परन्तु वह उक्त पैरा 6.3(iii) में निर्धारित मात्रा से कम होना चाहिए।

8.2 स्वदेशी अखबारी कागज के हिस्से की हकदारी की अधिकृति केवल सम्बन्धित मिलों को सीधे भारत के समाचार-पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा दी जाएगी।

8.3 अखबारी कागज आबंटन नीति या अखबारी कागज नियंत्रण आदेश या दोनों के आदेशों का अनुपालन न करने वाले समाचार-पत्रों को उस समय तक अखबारी कागज का कोटा मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि वह आदेशों का ठीक तरह से पालन नहीं करते। अखबारी कागज एजेंट नियंत्रण आदेश के आदेशों का पालन नहीं करते हैं तो उन्हें हाई सी सेल्स डिलीवरी के लिए प्राधिकृत एजेंट के रूप में हटाकर नहीं दी जाएगी।

8.4 जो समाचार-पत्र अपना आबंटन हाई सी सेल्स, या बफर स्टॉक या देशी स्रोतों से आबंटन आर्डर मिलने के तीन महीने के अन्दर नहीं उठाते हैं, वे समाचार-पत्र आगे आयातित कागज या स्वदेशी स्टॉक का प्राधिकरण खोने के लिए उत्तरदायी होंगे।

8.5 कार्य-निष्पादन के प्रमाण के लिए 2000 प्रतियां तक प्रति-ग्रंथ सरकुलेशन वाले पत्र के प्रकाशन को चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट का प्रमाण पत्र परिशिष्ट II में भर कर प्रस्तुत नहीं करना पड़ेगा। अन्य पत्रों को यह प्रमाण-पत्र भेजना अपेक्षित होगा।

8.6 जिन समाचार-पत्रों/आवधिक-पत्रों को हाई सी सेल्स के आधार पर आबंटन दिया जाता है उनकी राज्य लघु उद्योग कारपोरेशन या ऐसा कोई अन्य निगम जो राज्य में कार्यरत हैं, के द्वारा या उनके प्राधिकृत एजेंट के द्वारा भी डिलीवरी लेने की इजाजत होगी। हाई सी सेल्स की डिलीवरी विदेशी मालावर द्वारा कम से कम बुकिंग मात्रा के अधीन होगी। ऐसे छोटे समाचार-पत्र जो हाई सी सेल्स की इस शर्त को पूरा नहीं करते तथा अपनी हकदारी कम होने के कारण इस व्यवस्था के अन्तर्गत शामिल नहीं किये जा सकते, वे समाचार-पत्र दूसरे छोटे समाचार-पत्रों के साथ अपनी हकदारी मिला सकते हैं। और अखबारी कागज हाई सी सेल्स में राज्य लघु उद्योग विकास निगम (या ऐसा कोई अन्य निगम, जो राज्य में कार्यरत है) द्वारा उनके लिए कार्य कर रहे प्राधिकृत एजेंटों के मार्फत ले सकते हैं।

8.7 स्वदेशी मिलें जूँक एक बैगन से कम भेजने की स्थिति नहीं है, इसलिए कम मात्रा वाले अलाटी को उसे आबंटित स्वदेशी अखबारी कागज के परिवहन की व्यवस्था अपने आप करनी पड़ेगी।

8.8 अखबारी कागज के आबंटन/खपत का हिसाब लगाने के लिए समाचार-पत्र की मुक्त वितरण की गई प्रतियों, बिना बिकी लौटाई गई प्रतियां या ऐसी प्रतियों का भी हिसाब लगाया जाएगा जो न तो मुक्त दी गई हैं और न ही बिकी हैं, बशर्ते इसकी मात्रा मुद्रण आदेश के

उचित प्रतिशत के अनुसार हो और किसी भी हालत में निम्नलिखित सीमाओं से अधिक न हो :—

प्रसार सं०	दैनिक, त्रि-साप्ताहिक और त्रि-मासाहिक	साप्ताहिक और पार्श्व	मासिक, त्रैमासिक और अन्य
1	2	3	4
2500 तक	10%	20%	25%
2500 और 5000 के बिना	10%	15%	20%
5000 और 10000	10%	10%	15%
10000 से अधिक	5%	5%	10%

8.9 समाचार-पत्रों द्वारा 1979-80 में खपत/गेष मात्रा के स्टाक को निश्चित करने के लिए निर्यात प्रोत्तति इत्यादि के अन्तर्गत 1979-80 में प्राप्त किया गया अखबारी कागज भी हिसाब में लिया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए इस मासिक सूचना के अनुलग्नक VI में सूचित करना चाहिए।

9.1 आवेक इस मासिक सूचना के परिशिष्ट II को भी भरे जो कि फार्म के साथ दिया जाता है जैसा कि वर्ष 1980-81 की

आयतन-निर्यात प्रतियों की हेड बुक के परिशिष्ट II में लिखित है और इसके साथ ही समाचार-पत्र/आवधिक-पत्रिका की एक प्रति भी दी जाए। इसके अतिरिक्त अन्य सूचनाएं भी इस नीति की शर्तों को प्रस्तुत करने हुए मांग जोड़ी जा सकती हैं। समाचार-पत्रों का रजिस्ट्रार आवेदन पर निर्णय लेते समय और अतिरिक्त सूचनाएं, जो भी वह आवश्यक समझता है, मांग सकता है।

9.2 जहां आवेदन-पत्र औपचारिक रूप से पूर्ण नहीं है या उक्त लिखित किसी टिप्पणी का अनुपालन नहीं करता, जिसमें आवेदन पत्र की प्राप्ति की अन्तिम तारीख का फेर बदल भी शामिल है, समाचार-पत्रों के रजिस्ट्रार मामले के प्रक्रिया सम्बन्धी आवश्यकताओं को टीक और विधिमान्य कारणों से हटा सकते हैं। कुछ विशेष मामलों में समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार, टीक विधिमान्य कारणों हेतु इस नीति की शर्तों में छूट भी दे सकते हैं। यह छूट भाषा समाचार-पत्रों एवं छोटे समाचार-पत्रों के लिए होगी।

9.3 समाचार-पत्र/आवधिक-पत्र के उत्पादन हेतु मांग के अतिरिक्त अन्य विधेय उद्देश्यों के लिए भी समाचार-पत्रों के रजिस्ट्रार अखबारी कागज के कंटे के लिए अधिकृति दे सकता है। जहां पर ऐसे उद्देश्य समाचार-पत्र के उद्योग से सम्बन्धित हो जैसे कि छापी मर्जान की संरचना में प्रयोगात्मक प्रयोग या इसी प्रकार का कोई और सजातीय या संयत उद्देश्य जा कि समाचार पत्र के उद्योग के हित के लिए हो।

परिशिष्ट—2

कलेण्डर वर्ष 1978 एवं 1979 की अवधि के लिए सार संख्या प्राप्ति सम्बन्धित सरकारी लेखापाल का प्रमाणपत्र
(यह प्रमाणपत्र सरकारी लेखापाल के मरनामे पर टाहप किया जाए)

1. समाचार पत्र 2 नियतकालिक पत्र का नाम—
2. प्रकाशन का स्थान—

3. भाग—
4. आयतिता (पीरियाडिसिटी)

	वर्ष	जन-वरी	फर-वरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सित-म्बर	अक्टूबर	नव-म्बर	दिस-म्बर	पूरे वर्ष का औसत
क. प्रति प्रकाशन दिवस प्रति मास छापी गयी प्रतियों की औसत संख्या	1978 1979													
ख. प्रति मास प्रकाशन दिवस पर बेची गयी प्रतियों की औसत संख्या	1978 1979													
ग. प्रति मास प्रति प्रकाशन दिवस पर मुफ्त बाटी प्रा० नार्थ बाउचर, विनियम बोनस-एवं नमूना एवं कार्यालय प्रतियों सहित (प्रतियों की औसत संख्या)	1978 1979													
घ. प्रतिमास बिना किसी टुप्पी एवं अन्य मुद्रित प्रतियों की औसत संख्या जो की एवं में शामिल नहीं की गई है	1978 1979													
ङ. समाचार पत्र/नियत कालिक पत्र का प्रति-मास का वर्ग सेंटी मीटर में औसत प्रकार	1979													
च. प्रति प्रकाशन दिवस के समाचारपत्र/नियत-कालिक पत्र के पृष्ठों की हर माह की औसत संख्या	1979													
छ. प्रति मास वार्षिक प्रकाशन दिवस की संख्या	1979													
कलेण्डर वर्ष 1979 में खपत की गयी कुल अखबारी कागज की मात्रा (मात्रा मीट्रिक टनों में)														
कलेण्डर वर्ष 1979 में खपत किए गए सफेद कागज की मात्रा मीट्रिक टनों में														

सन्दी लेखापाल का प्रमाण-पत्र

मैंने/हमने कलेण्डर वर्ष 1978 एवं 1979 की अवधि का—से प्रकाशित—पत्र का नाम, भाषा, एवं पीरियॉडिसिटी के हिसाब किताब की जाँच कर ली है, तथा सभी आवश्यक जानकारी एवं विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार से कलेण्डर वर्ष 1978 एवं 1979 का दिया गया उपरोक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं लेखा किताबों के अनुसार प्रस्तुत विवरण में प्रसार, संख्या, पृष्ठों की संख्या, आकार एवं प्रकाशन विवरणों की संख्या का सही विवरण करना है।

तारीख—

सन्दी लेखापाल की मुहर

1. उस व्यक्ति का नाम एवं पद जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

हस्ताक्षर—

2. पंजीकरण संख्या—

3. पता—

परिशिष्ट III

नए दैनिका/आवधिकवर्षों के प्रकाशकों द्वारा दी जाने वाली सारियाँ

1. समाचार-पत्र/पत्रिका का नाम (क) नाम
(ख) भाषा
(ग) आवधिकता
2. अन्तिम घोषणा देने की तारीख
3. संलग्न पत्रों की सूची के अनुसार समाचार-पत्र/पत्रिका का पंजीकरण
4. प्रकाशन आरम्भ करने की प्रस्तावित तारीख
5. छपाई हेतु प्रतियों की औसत प्रस्तावित संख्या
6. (क) बिर्फी हेतु प्रतियों की सं०
(ख) मुफ्त वितरण हेतु प्रतियों की सं०
6. प्रकाशन का स्थान और मुद्रणालय का व्यौरा
(क) मुद्रणालय के मालिक का विवरण
नाम
पता
(ख) छपने की अमना का व्यौरा
छपाई/मुद्राक्षर विन्यास-यंत्र
(कम्पोजिंग मशीन) के भेक,
माडल, प्रति घन्टा की गति
और मशीन की वर्तमान आयु
लिखें (अर्थात् मशीन कब की
बनी हुई है)।
7. क्या अनुसूचित बैंक के नमूने के फार्म में बैंक की प्रत्याभूति (गारन्टी) दी गई है।
8. यदि हाँ तो बैंक का नाम और प्रत्याभूति (गारन्टी) की रकम।
9. क्या अखबारी कागज अधिकतमों (एन्वेन्टो) द्वारा लिया जाएगा।
10. यदि हाँ, तो एन्वेन्टो का नाम

11. अखबारी कागज की शर्त किश्ती में है या थोक में, बकर स्टाक/हार्ड सी सेल्स में

12. सम्पादक का नाम

घोषणा

मैं/हम यहाँ इस बात की घोषणा करना चाहते हैं कि उपरोक्त तथ्य सत्य हैं और मेरे/हमारे ज्ञान के विचार के आधार पर बिल्कुल ठीक है।

हस्ताक्षर

नाम साफ अक्षरों में

पद

निवास स्थान का पता

1. समाचार और प्रचलित चर्चे

2. समाज कल्याण

3. कृषि व पशु पालन

4. वाणिज्य एवं उद्योग

5. शिक्षा

6. यातायात एवं संचार

7. साहित्य एवं सांस्कृतिक

8. अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी

9. विज्ञान

10. रेडियो एवं संगीत शास्त्र

11. विधि एवं लोक प्रशासन

12. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

13. श्रम

14. धर्म एवं अर्थ

15. कला

16. बीमा, बैंकिंग एवं सहकारी संयोग

17. महिलाएं

18. वस्त्र

19. धर्म और दर्शन-शास्त्र

20. (फिल्म—चलचित्र)

21. खेल

परिशिष्ट

(खालू समाचारपत्रों के प्रकाशकों द्वारा भरा जाए जब उनकी भारत के समाचार-पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा निर्धारित अखबारी कागज प्राप्त न हो।)

1. प्रार्थी का नाम
2. समाचार-पत्र/पत्रिका का नाम (क) नाम
(ख) भाषा
(ग) आवधिकता
3. प्रकाशन का स्थान
4. सलग्न सूची के अनुसार समाचार पत्र/पत्रिका का वर्गीकरण
5. भारत के समाचार-पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा दी गई पंजीकरण सं०
6. अन्तिम घोषणा की तारीख
7. अब तक इस प्रकाशन के कागज का काम कैसे चलाया जाता था
8. इस वर्ष अखबारी कागज का कांटा लेने का कारण
9. छपाई का स्थान और मुद्रणालय का व्योरा
(क) मुद्रणालय के मालिक का व्योरा
नाम
पता
(ख) छपाई की क्षमता, छपाई का व्योरा (कम्पोजिंग मशीन)
(मुद्राक्षर विन्यास यंत्र का मेक, माडल, प्रति घन्टा की गति और मशीन की वर्तमान आयु लिखें (अर्थात् मशीन कब की बनी हुई है)
10. पिछले छ महीनों में छापे जाने वाली प्रतियाँ की मासिक औसत सं०
(क) बेची गई प्रतियाँ
(ख) मुफ्त बाँटी गई प्रतियाँ
11. कागज का औसत माप (क) लम्बाई
(ख) चौड़ाई
12. पिछले छ महीनों से पृष्ठों की मासिक औसत सं०
13. पिछले छ महीनों की छपाई के दिनों की मासिक औसत सं०

मैं/हम यहाँ इस बात की घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त तथ्य सत्य है और मेरे/हमारे ज्ञान व विश्वास के अनुसार बिल्कुल ठीक है।

हस्ताक्षर

नाम साफ अक्षरों में

पद

तारीख

निवास स्थान का पता

1. समाचार और प्रचलित धर्म
2. समाज कल्याण
3. कृषि व पशु पालन
4. वाणिज्य एवं उद्योग
5. शिक्षा
6. यातायात एवं संचार
7. साहित्य एवं सांस्कृतिक
8. अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी
9. विज्ञान
10. रेडियो एवं संगीत शास्त्र
11. विधि व लोक प्रशासन
12. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
13. धर्म
14. विम एवं अर्थ
15. कला
16. बीमा, बैंकिंग एवं सहकारी संयोग
17. महिलाएं
18. बच्चे
19. धर्म और दर्शनशास्त्र
20. (फिल्म-चलचित्र)
21. खेल

परिशिष्ट V

(खालू समाचार-पत्रों के नए संस्करण के बारे में भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार की सूचना के लिए फॉर्म)

1. समाचार-पत्र का नाम (प्रस्तावित संस्करण)
2. प्रकाशन का स्थान (पूरा पता लिखें)
3. भाषा और आवधिकता
4. प्रकाशन की प्रस्तावित तारीख
5. (i) दैनिक समाचारपत्र के बारे में सप्ताह के दिनों की संख्या लिखें जिस दिन यह प्रस्तावित समाचार प्रकाशित किया जाना है।
(ii) साप्ताहिक पत्रिका के बारे में लिखें कि नया प्रस्तावित पत्रिका प्रत्येक सप्ताह में या महीने में चार बार प्रकाशित की जाती है।
6. (क) नए प्रकाशन का प्रस्तावित माप
(i) लम्बाई-----से०मी०
(ii) चौड़ाई-----से०मी०
(iii) पृष्ठों की सं०-----
(ख) प्रस्तावित छपाई हेतु प्रतियाँ की औसत सं०
(ग) आकलित औसत वितरण
(i) बिक्री द्वारा
(ii) मुफ्त वितरण द्वारा
(घ) मुख्य पत्र के वितरण का क्षेत्र जहाँ पर प्रस्तावित प्रकाशन जाएगा।

-7 प्रकाशन का स्थान और मुद्रणालय का
व्योरा

(क) मुद्रणालय के मालिक का विवरण
नाम
पता

(ख) छपने की क्षमता, छपाई का व्योरा,
मुद्राक्षर-विन्यास-यंत्र (कम्पोजिंग
मशीन) का सेक, माडल, प्रति घंटा
की गति और मशीन की वर्तमान
ध्रायु लिखें (अर्थात् मशीन कब
की बनी हुई है)

(ग) क्या मशीनें इत्यादि मुख्य समाचार-
पत्र के कार्यालय में भी गई हैं या नहीं
प्राप्त की गई हैं।

8 समाचार-पत्र या पत्रों का व्योरा दे जिनके
कागज का कोटा, प्रस्तावित नया प्रकाशन
शुरू करने के लिए, कम किया जाएगा।
कोटा भी लिखें। यह भी लिखें कि क्या
प्रस्तावित अखबारी कागज की पूर्ति मुख्य
समाचारपत्र के पृष्ठों की कमी द्वारा या
उसके वितरण की संख्या कम करके की
जाएगी।

9 (क) मालिक का नाम (पता भी लिखें)

(ख) यूनिट के समाचारपत्रों/पत्रिकाओं की
संख्या। (पैसे समाचारपत्रों की सूची
उनके व्योरे सहित संलग्न करें)।

(ग) स्वामित्व का स्वरूप/प्रकृति : क्या
(संबन्धित कालम के ✓ का
निशान लगाएं)।

(i) कम्पनी (ii) फर्म

(iii) सोसाइटी (iv) एग्रेसिवेशन

(v) ट्रस्ट

10 क्या मासिक एम० आर० टी० पी० ऐक्ट
के अधीन पंजीकृत है, यदि हा, तो
पूरा व्योरा दे।

घोषणा

मैं/हम यहां इस बात की घोषणा करता हूं/करते हैं कि उपरोक्त
तथ्य सत्य हैं और मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार बिल्कुल
ठीक हैं।

हस्ताक्षर—
नाम—
साफ अक्षरों में—
पद—

तारीख—

अनुसूचक—VI

कलेण्डर वर्ष 1978 एवं 1979 में समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों के प्रकाशन में अखबारी कागज की खपत का विवरण

क्रम	पत्र का नाम, भाषा पीरियडिसिटी एवं संख्या प्रकाशन का स्थान	अखबारी कागज की खपत (टनों में)						
		ग्राम	गलेज्ड	रोटोग्रेबनेर	अनग्रेज्ड (आयातित)	नेपा	टोटल	अभ्युक्तिता
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्रकाशक के हस्ताक्षर—
पूरा नाम—
स्थान—
तिथि—

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

Public Notice No. 1-PR-NP/80

New Delhi, the 2nd July, 1980

File. No. 36(47)/80-PR-NP.—In terms of para 7 of Appendix 9 of the Import Policy for 1980-81, Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the basis of newsprint entitlement to newspapers and periodicals and other procedures relating to it as is annexed in the Annexure I, II, III, IV, V and VI of this Public Notice and shall be applicable from 1st April, 1980 to March 31, 1981.

S. L. KAPUR, Jt. Secy.

ANNEXURE I

NEWSPRINT ALLOCATION POLICY—1980-81

1. Entitlement

1.1 The basic entitlement of an individual newspaper/periodical for newsprint in 1980-81 will be determined on the basis of actual consumption of newsprint and white printing paper or both by newspapers/periodicals in the calendar year 1979 (taking into account its average circulation, average number of pages, the average page area actually published, the number of publishing days etc.).

1.2 Newspapers and periodicals may be allowed on application an initial increase over the basic entitlement as follows :—

- | | |
|---|---|
| (i) Newspapers and periodicals with circulation above 50,000 copies per publishing day. | A percentage increase equivalent to the percentage increase in circulation in 1979 over that in 1978 subject to a maximum of 5% over the basic entitlement. |
| (ii) Newspapers/periodicals with circulation above 15,000 but upto 50,000 copies. | 10% over the basic entitlement. |
| (iii) Newspaper/periodicals with circulation upto 15,000 copies | 15% over the basic entitlement. |

Note : The circulation category of the newspaper/periodical as mentioned in para 1.2 above will be based on the average circulation per publishing day in 1979.

1.3 No application for initial entitlement of those who were already allocated newsprint in 1979-80 will be entertained after July 31, 1980.

1.4 Upward revision may be allowed on application by a newspaper/periodical on the basis of actual increase in circulation in the first six months of 1980 as compared to that of 1979. Such application will, however, be entertained only if received before September 30, 1980. Additional allotment will be subject to availability of newsprint.

1.5 The entitlements worked out in accordance with paras 1.1, 1.2 and 1.4 above may be revised/varied in the light of such factors as the likely availability of newsprint, the need to maintain appropriate quantities in buffer stock, the general state of anticipated supplies. Cuts of a general nature may also be applied in the light of anticipation of short falls in supplies/production/stocks.

1.6 The Registrar of Newspapers may call upon any newspaper/periodical to render account of the consumption for any period of not less than three months or more during the licensing year and he may reduce the entitlement of that newspaper/periodical accordingly, if the same is in excess of what would be admissible in the light of paras 1.1, 1.2 and 1.4 above.

1.7. In working out the initial entitlement in terms of para 1.1 and 1.2 above in making revision in terms of paras 1.4, 1.5 and 1.6 above, abnormal short-term drops in circulation arising from special circumstances including strikes/lockouts or other reasons as also abnormal short-term increases in circulation attendant upon closure or disruption of work of competing newspapers at the same place of publication or any other extraordinary circumstances may be ignored by the Registrar of Newspapers as may be considered appropriate by him in each case, reliance being placed upon normal average circulation etc.

2.1 New dailies, weeklies, tri-weeklies, bi-weeklies, fortnightlies and monthlies

A new newspaper/periodical will be allowed an initial quota which will be determined by the Registrar of Newspapers for India upon his satisfaction with regard to the projection of circulation by the applicant but not exceeding the requirement calculated on the basis of average circulation upto a maximum of 10,000 copies of 8 standard pages in the case of dailies and 16 standard pages in the case of weeklies, tri-weeklies, bi-weeklies, fortnightlies and monthlies, per publishing day for the first four months. The application for the initial quota along with the completed proforma at Annexure III will be accompanied with a bond executed by the applicant and duly guaranteed by any scheduled bank for 10 per cent of the value of the newsprint applied for. This bond will be cancelled on the production of documentary evidence to the satisfaction of the Registrar of Newspapers for India to show that the newsprint has been utilised for the publication of the newspaper/periodical. After three months of regular pub-

lication, the new newspaper/periodical will be required to produce evidence to the satisfaction of the RNI of the average circulation achieved and the average page area, number of pages printed and number of days of publication during the first three months and its future entitlement will be re-fixed for a further appropriate period on the basis of the first three months' performance.

2.2 New periodicals other than tri-weeklies, bi-weeklies, weeklies, fortnightlies & monthlies

No quota will be allowed to such periodicals for the first three months. After three months of regular publication, the publisher of such a periodical may submit his application duly certified by a Chartered Accountant (whenever the circulation is more than 2000 copies) showing the average circulation achieved, average page area and number of pages printed during the first three months. Quota may be allotted to new periodicals in this category for a further period for the average circulation actually achieved, average number of pages and page area actually printed and the number of publishing days during the first three months.

2.3 Existing newspapers/periodicals which did not obtain newsprint in the year 1979-80 will be treated as new newspapers/periodicals, and their initial quota will be calculated on the basis given in paras 2.1 and 2.2 above as the case may be, from the months of receipt of their application and further entitlements may be worked out subsequently in terms of paras 2.1 and 2.2 above, as the case may be. Such application is to be submitted along with Annexure IV.

3. The following categories of periodicals will not be entitled for the allocation of newsprint, though they are classified as newspapers, notwithstanding, save in special cases :

- (a) Journals published primarily to promote sale of goods or services ;
- (b) House journals/magazines brought out by undertakings/firms/industrial concerns,
- (c) Price lists, catalogues and lottery news, time tables, almanacs etc.
- (d) Publications intended for free distribution;
- (e) Fiction;
- (f) Racing guides;
- (g) School/College Magazines;
- (h) Teaching journals/teaching guides;
- (i) Government journals not in receipt of quota on regular basis in 1979-80;
- (j) Periodicals with a periodicity more than quarterly such as bi-annuals, annuals etc.
- (k) Newspapers/periodicals with regularity less than 50 per cent in a year.

4.1 In the case of newspapers/periodicals, the circulation of which has been assessed by the RNI to be lower than the claimed circulation for the calendar year 1978 or 1979, the entitlement for 1980-81 of such periodicals/newspapers will be calculated on the basis of assessed circulation. These newspapers/periodicals will not be eligible for benefit under para 1.4 above until their circulation is reassessed.

4.2 No entitlement will be admissible to a newspaper/periodical which is unable, at any time, when called upon to do so, to establish any circulation at all. Any newsprint released will also have to be returned.

5.1 The entitlement of newspapers/periodicals for standard newsprint as also indigenous newsprint will be worked out on the basis of 53 grammes substance plus or minus 5 per cent.

5.2 The entitlement of indigenous newsprint will be increased by 15 per cent.

5.3 Newsprint is allotted to each individual newspaper/periodical and individual newspaper/periodical is the recipient of the newsprint. Newspapers/periodicals will not be permitted to adjust between them the quota allotted to each of them even when the publications are under the same ownership and/or bear the same title/name and even though they may have been allowed to club together the entitlement of each

unit for administrative convenience in lifting of newsprint from STC and/or indigenous sources.

5.4 The authorised quota of newsprint allotted under this policy to a newspaper/periodical may, however, be used for a new edition of the same newspaper/periodical and the newsprint so used shall be accounted for separately. However, the newspapers/periodicals will give an intimation as per Annexure V to the RNI at least one month prior to the start of the new edition, in respect of the projected circulation, page area, average number of pages etc. of the new edition and likely diversion of newsprint from the parent edition. The entitlement of the parent newspaper may be reassessed accordingly. However, this entitlement may be revised and a fresh entitlement fixed for the new edition, after three months of publication on the basis of the actual variation in circulation.

NOTE : For the above purpose, an 'edition' is a newspaper/periodical which, irrespective of the place of publication, bears the same name/title, is in the same language and has the same periodicity as the newspaper/periodical already being published by the same ownership/management, and is a reprint/separate run of the newspaper/periodical with variations dictated by the time factor and to meet requirements of existing local readership and speedier distribution.

6. Allocation

6.1 Allotment of all types of newsprint—standard, roto and glazed—will be made in reels only. An additional quantity of 10 per cent for conversion of reels into sheets will be allowed to newspapers which have to cut reels into sheets for printing in sheet-fed machines. This benefit will be available only to those newspapers which give proof that printing is carried out only in sheets.

6.2 Periodicals which have been in regular publication for more than three months, may be allowed to claim their full entitlement or a portion of it in glazed or rotogravure newsprint subject to availability.

6.3 The basis of allocation of indigenous and imported newsprint will be as follows :—

- (i) Newspapers with an entitlement of upto 400 mts. will have the option to lift any proportion of their requirements from indigenous or imported—newsprint—both from high sea sales as well as buffer.
- (ii) Newspapers having an entitlement of over 400 mts. have to lift a minimum of 15 per cent of their entitlement from indigenous newsprint. Such newspapers will also have to lift a minimum of 10 per cent upto a maximum of 15 per cent from the buffer stock of the S.T.C. compulsorily.
- (iii) If shipment is not effected within 120 days of receipt of L/C's by STC, efforts will be made to allot proportionate tonnage from incoming buffer stock shipments on high sea sales basis which will be later replenished. This will, however, be subject to the availability of suitable tonnage on high seas.

6.4 The Registrar of Newspapers may also vary the proportion of indigenous and imported newsprint in the light of availability (stocks from time to time. Newspaper/periodicals will have to take indigenous newsprint in sizes that are made available.

6.5 If any newspaper/periodical had not utilised any quantity allotted in 1979-80, including mid-term election quota sanctioned in that period, the unutilised quantity will be adjusted against its entitlement for 1980-81. Similar adjustment will be made in respect of newspapers/periodicals who may be sanctioned newsprint in terms of the provisions made under paras 2.1, 2.2 and 2.3 above.

6.6 Newspapers which may suspend or cease publications shall return the newsprint not utilised.

7. Wastage.

7.1. For wastage in transit and/or machine room, compensation for imported newsprint will be allowed at 8 per cent to newspapers published from port towns where STC has godowns; at 9 per cent to newspapers published from States where these port towns are located and, at 10 per cent to newspapers published from other States. In case of

indigenous newsprint, a uniform 9 per cent compensation will be allowed. In the case of periodicals using multi-coloured printing, wastage compensation will be 2 per cent over the normal wastage allowed to them for that printing.

8. Miscellaneous.

8.1 The work relating to distribution of imported newsprint will be handled entirely by the State Trading Corporation. The Registrar of Newspapers for India will give complete entitlement duly worked out of all the newspaper applicants to STC, which in turn will give imported newsprint either from high sea sales or from buffer in such ratio as may be prescribed from time to time for distribution of newsprint subject to the minimum laid down in para 6.3(ii) above.

8.2 Authorisations for the indigenous portion of the newsprint entitlement will be issued direct by the Registrar of Newspapers for India, to the Mills concerned.

8.3 Newspapers which do not comply with the provisions of the Newsprint Allocation Policy or Newsprint Control Order or both will not be allowed newsprint quota until they comply with the provisions. Newsprint dealers/agents will not be allowed to act as authorised agents for delivery on high sea sales if they do not comply with the provisions of the Newsprint Control Order.

8.4 Those newspapers which do not lift their allotments from high sea sales or buffer stocks or from indigenous sources within a period of two months of the receipt of the allocation order, will be liable to lose further authorisation either on imported newsprint or on indigenous newsprint. However, those with an entitlement of less than 50 mts. may be allowed to lift their allotments within six months.

8.5 Publishers of newspapers/periodicals with circulation upto 2000 copies per publishing day will not be required to submit Chartered Accountant's Certificate in the Annexure II. Others will, however, be required to submit such certificate.

8.6 Newspapers/periodicals which are given allotment on high sea sales basis, will be allowed to take delivery also through the States Small Industries Development Corporations (or any other such Corporation functioning in the State) or through their authorised agents. Delivery on high sea sales basis will be subject to the minimum quantity booked by the foreign supplier. Small newspapers which do not fulfil this condition of high sea sales allocations because their entitlement is too small to be covered by that arrangement, can also club their entitlement with other small newspapers and get the newsprint from high sea sales through either the State Small Industries Development Corporation (or any other such Corporation functioning in the State) or through their authorised agents acting on their behalf.

8.7 Since Indian Mills are not in a position to despatch consignment of less than one wagon load, allottees of smaller quantities will have to make their own arrangements for transport of such newsprint allotted to them.

8.8 The number of copies distributed free, unsold returns or any other copies printed but neither sold nor distributed free, will be taken into consideration for purpose of determining the entitlement/consumption of newsprint, provided that these represent a reasonable percentage of their print order and in any case not exceeding the following limits :—

Circulation	Dailies, tri- & Bi-weeklies	Weeklies & fortnightlies	Monthlies and quarterlies
Upto 2,500	10%	20%	25%
Between 2,500 and 5,000	10%	15%	20%
Between 5,000 and 10,000	10%	10%	15%
Above 10,000	5%	5%	10%

8.9 Newsprint obtained in 1979-80 under the scheme for Export Promotion etc. will also be taken into account for determining quantity utilised/held in stock by the newspapers in 1979-80. For this purpose, information should be furnished in Annexure VI to this Public Notice.

9.1 Applicants should fill in the proforma at Annexure II to this Public Notice together with proforma in other relevant Annexures which will be submitted alongwith application in Form I as per Appendix 11 to Hand Book of Import and Export Procedures 1980-81 together with a sample copy of the newspapers/periodicals. Additional information may be required to be submitted in terms of the Policy may be appended suitably. The Registrar of Newspapers may ask for any additional information as he may consider necessary or germane to enable him to decide upon an application.

9.2 In cases where an application may not be formally complete or does not comply with any of the requirements above, the Registrar of Newspapers for India may waive the

procedural requirements including relaxation of last dates for receipt of applications for good and valid reasons. The Registrar of Newspapers for India may also relax any of the conditions of this Policy for good and valid reasons in respect only of small and language newspapers/periodicals.

9.3 Newsprint may be authorised by the Registrar of Newspapers for India for specialised purposes other than the requirements for the production of newspaper/periodical where such purpose may be related to the newspaper industry such as experimental use in printing machinery manufacture or any other cognate or germane purposes in the interest of newspaper industry.

ANNEXURE II

Form of Chartered accountant's certificate Regarding Circulation Etc. for the Calendar Year 1978 and 1979

(To be typed on the letter-head of the Chartered accountant)

1. Name of the newspaper/periodical _____	3. Language _____
2. Place of publication _____	4. periodicity _____

(a) Average no. of copies printed month-wise per publishing day	1978	Jan.	Feb.	March	April	May	June	July	Aug.	Sept	Oct.	Nov.	Dec	Average for the Year
	1979													
(b) Average no of copies sold monthwise per publishing day	1978													
	1979													
(c) Average no. of copies distributed free monthwise per publishing day (including complementary, voucher, exchange, bonus sample and office copies)	1978													
	1979													
(d) Average no. of monthwise unsold returns and other copies printed but not included in (b) & (c)	1978													
	1979													
(e) Average size of the month-wise of the newspaper/periodical in sq. cm.	1979													
(f) Average no. of pages monthwise of the newspaper/periodical per publishing day	1979													
(g) Actual no. of publishing days monthwise	1979													
Total consumption of newsprint in mts. (Qty. in mts.) during the calendar year	1969													
Total consumption of white printing paper in mts. during the year 1979														

Signature of the publisher _____

Date _____

Certificate of Chartered Accountant

I/we have examined the books of account of M/s _____ (name, language and periodicity of the paper) published for the calendar year 1978 and 1979 and have obtained all the information and declaration required by us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis of circulation, page, size and number of publishing days of the calendar year 1978 and 1979 to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date: _____

Stamp of the Chartered Accountant

1. Name and signature of the person who has signed the certificate.

2. Registration No. _____

3. Address _____

Signature _____

ANNEXURE III

Statement to be given by the publisher of new daily/Periodical

- 1 Name of the Newspaper/periodical, (a) Name
(b) Language
(c) periodicity
- 2 Date of filing the final declaration
- 3 Classification of the newspaper/
periodical as per list overleaf.
- 4 proposed date of commencement
of the publication.
- 5 Average number of copies proposed
to be printed :
(a) No for sale
(b) No for free distribution
- 6 Place of printing and particulars of
the press :
(a) Particulars of the owner of the
press
Name
Address
(b) printing capacity
Details of printing/composing machines indicating the make, model,
speed per hour and present life of
the machine.
- 7 Whether bank guarantee has been
executed in the specimen form of
the scheduled bank
- 8 If so, the name of the bank and value
of the guarantee.
- 9 Whether newsprint is to be lifted through
agent
- 10 If so the name of the agent
- 11 The terms of lifting newsprint in
lot/buffer
stock/high sea sales
- 12 Name of the editor

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statement are true and
correct to the best of my/our knowledge and belief.

Signature
Name in Block letters
Designation
Residential Address

- 1 News and Current Affairs
- 2 Social welfare
3. Agriculture & Animal Husbandry
4. Commerce & Industry
5. Education
6. Transport & Communication
- 7 Literary & cultural
8. Engineering & Technology
- 9 Science
- 10 Radio & Music
- 11 Law & public Administration
- 12 Medicine & Health
- 13 Labour
14. Finance and Economics
15. Art
16. Insurance Banking & Co-operation
17. Women
18. Children
19. Religion & philosophy
20. Film
21. Sports.

ANNEXURE IV

(To be filled in by the publisher of the existing newspapers
not in receipt of newsprint allocations from RNI).

1. Name of the applicant
- 2 Name of the newspaper/ periodical (a) Name
(b) Language
(c) periodicity
- 3 Place of publication
- 4 Classification of the newspaper/
periodical as per list below
5. Registration Number allotted
by RNI
- 6 Date of latest declaration
- 7 How the publication was brought
out so far
- 8 The reason for applying for news
print quota for this year.
- 9 Place of printing and particulars
of the press.
(a) particulars of the owner of the
Press
Name.
Address.
(b) Printing capacity
Details of printing/composing
machines indicating the make,
model, speed per hour and
present life of the machine.
- 10 Monthwise average number of copies being printed for the
last six months :
(a) copies sold
(b) copies distributed free
- 11 Average size of the paper : (a) Length
(b) Breadth
- 12 Monthwise average number of
pages for the last six months
- 13 Monthwise average number of
publishing days for the last six
months

I/We hereby declare that the above statements are true and
correct to the best of my/our knowledge and belief.

Date Signature
Name in block letters
Designation
Residential Address

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT

I/We have examined the books and accounts of M/s.
..... (name, language and periodicity of
the paper) published for the last six months and have obtained
all the information and explanation required by us. In my/our
opinion the statement set forth above reflects true and correct
analysis of circulation, page, size and number of publishing days
for the last six months to the best of my/our information and
belief and according to the explanation given to me/us by the
books of accounts etc.

Date : Signature _____

Stamp of the Chartered Accountant

- 1 Name and signature of the person
who has signed the certificate
2. Registration No. _____
3. Address _____

Note :— If the circulation is less than 2000 copies the
Chartered Accountant certificate is not required.

Classification of the newspaper/periodical

1. News and Current affairs
2. Social Welfare
3. Agriculture and Animal Husbandry
4. Commerce & Industry

5. Education
6. Transport & Communication
7. Literary & Cultural
8. Engineering & Technology
9. Science
10. Radio & Music
11. Law & Public Administration
12. Medicine and Health
13. Labour
14. Finance & Economics
15. Art
16. Insurance, Banking & Cooperation
17. Women
18. Children
19. Religion & Philosophy
20. Film
21. Sports

ANNEXURE-V

(Form for intimation to RNI about new editions of existing newspapers)

1. Name of the newspaper (proposed edition)
2. Its place of publication (give full address)
3. Language and Periodicity
4. Proposed date of publication
5. (i) In case of a daily, state number of days on which the newspaper is proposed to be published in a week
(ii) In case of a weekly, state whether it is proposed to be published every week or four times a month
6. (a) Proposed size of the new edition :
(i) Length _____ cms
(ii) Width _____ cms
(iii) No of pages _____
(b) Average number of copies to be printed (proposed)
(c) Estimated average circulation
(i) Through sale
(ii) Through free distributions
(d) The circulation of the parent paper in the area to be served by the proposed edition

7. Place of printing and particulars of the Press :
(a) Particulars of the owner of the press
Name : _____
Address : _____
(b) Printing capacity :
Details of printing/composing machines indicating the make, model, speed per hour and present life of the machine
(c) Whether part of the machinery shifted from the parent newspaper or newly acquired.
8. Give details of the newspaper or newspapers whose quota would be diverted for starting the proposed new edition, and also state the quantum
State whether the diversion of newsprint is proposed to be done by reducing the number of pages or by reducing the circulation of the parent newspaper(s)
- 9 (a) Name of the owner (give address also)
(b) No of newspapers/periodicals owned by the unit (attach a list of such newspapers & with details)
(c) Type of ownership : whether (Tick the relevant column)
(i) Company (ii) Firm
(iii) Society (iv) Association
(v) Trust
10. Whether the owners are registered under the MRTP Act, if yes, give details.

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

Signature _____

Name _____
(in block letters)

Date : _____

Designation _____

ANNEXURE—VI

ANNEXTURE VI TO PUBLIC NOTICE NO. 1-PR-NP/80 DATED

Statement showing consumption of newsprint for publication of newspapers/periodicals during the year 1979

S. No.	Title of the paper, its language, periodicity and place of publication	Consumption of newsprint (in tonnes)					Total	Remarks
		Gms.	Glazed	Rotogravure	Unglazed (imported)	Nepa		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.								
2.								
3.								
4.								
5.								

Signature of the publisher— _____
Name (in block letters) _____
Place _____
Date _____

NOTE : Consumption of newsprint against regular entitlements and export promotion entitlement to be furnished separately.